पत्रिका
जबलपुर, रविवार, 08 जून 2014

सोलर लैंपों से ग्रामीण बच्चे करेंगे पढ़ाई

शहडोल
jabalpur@patrika.com

आदिवासी अंचल में आज भी बिजली सुविधाओं से दूर ग्रामीणों के बच्चों के लिए सोलर लैंप की तकनीक पर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। आईआईटी मुंबई के तत्वावधान में सुदूर अंचल क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों के लिए एक मिलियन सोलर अध्ययन लैंप परियोजना का संचालन किया गया है। देश के चार प्रांतों में इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत कक्षा 5वीं से 12वीं तक के बच्चों की पढ़ाई के लिए सोलर लैंप वितरित किए जा रहे हैं ताकि वे बिजली के अभाव में चिमनियों के भरोसे गुजर-बसर न करें। यह बात आईआईटी मुंबई से आईं विशेषज्ञ सौम्या जैन ने सहजीवन समिति द्वारा आयोजित डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। उन्होंने बताया कि शहडोल संभाग के तीनों जिलों को इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत शामिल किया गया है। इस दौरान इस परियोजना की प्रदेश समन्वयक अभिलाषा सिंह चौहान ने बताया कि सहजीवन समिति के सचिव डॉ. गिरधर माथनकर के सहयोग से अब तक जिले में 16 सौ लैंप वितरित किए जा चुके हैं। साथ ही इस लैंप वितरण व्यवस्था को ऑनलाइन फीडबैक के लिए जिले के डिस्ट्रीब्यूटर्स को टेबलेट प्रशिक्षण भी दिया गया। समिति के सचिव डॉ. माथनकर ने बताया कि आईआईटी मुंबई व शासन की मदद से इन लैंपों को विशेष अनुदान के साथ ग्रामीण बच्चों को दिया जा रहा है।